

कैंसर की बढ़ती चर्चाएँ

प्रलिस के लिये:

[कैंसर, कैंसर का वैश्विक प्रभाव, विश्व स्वास्थ्य संगठन \(WHO\)](#)

मेन्स के लिये:

स्वास्थ्य, शक्ति से संबंधित सामाजिक क्षेत्र/सेवाओं के विकास और प्रबंधन से संबंधित मुद्दे, भारत में कैंसर के विभिन्न रूपों के बढ़ते मामले और स्वास्थ्य क्षेत्र पर इसका प्रभाव।

[स्रोत: डाउन टू अर्थ](#)

चर्चा में क्यों?

कैंसर पत्रिका में प्रकाशित एक हालिया अध्ययन में पूर्वानुमान किया गया है कि वर्ष 2022 के अनुमान की तुलना में 2050 तक वैश्विक स्तर पर पुरुषों में कैंसर के मामलों में 84.3% की वृद्धि होगी तथा कैंसर से होने वाली मौतों की संख्या में 93.2% की वृद्धि होगी।

- यह चर्चाजनक प्रवृत्ति एक महत्वपूर्ण सार्वजनिक स्वास्थ्य चुनौती को रेखांकित करती है, जिस पर तत्काल ध्यान देने की आवश्यकता है।

अध्ययन के मुख्य निष्कर्ष क्या हैं?

- **कैंसर के मामलों और मृत्यु में अनुमानित वृद्धि:** अध्ययन में बताया गया है कि 2050 तक पुरुषों में कैंसर के मामले बढ़कर 19 मिलियन हो जाएंगे, जबकि कैंसर से होने वाली मृत्यु 10.5 मिलियन तक पहुँचने की उम्मीद है।
 - **वर्षित कैंसर प्रकारों का अनुमान:** वर्ष 2022 से 2050 तक **मेसोथेलियोमा (फेफड़ों के कैंसर का सबसे आम प्रकार)** के मामलों में 105.5% की वृद्धि और प्रोस्टेट कैंसर से होने वाली मौतों में 136.4% की वृद्धि होने की उम्मीद है, जबकि **वृषण कैंसर में सबसे कम वृद्धि होगी, जिसमें घटनाओं में 22.7% और मृत्यु में 40% की वृद्धि होगी।**
- **फेफड़े के कैंसर का प्रभुत्व:** फेफड़े के कैंसर के घटना और मृत्यु दर दोनों में **अग्रणी प्रकार का कैंसर** बने रहने की उम्मीद है, वर्ष 2022 की तुलना में इसमें 87% से अधिक की वृद्धि का अनुमान है।
- **आयु और क्षेत्र के आधार पर असमानताएँ:** रपिर्ट में आयु और क्षेत्र के आधार पर कैंसर की दरों में महत्वपूर्ण असमानताएँ बताई गई हैं, जिसमें **वर्ष 2022 में वैश्विक स्तर पर पुरुषों में लगभग 10.3 मिलियन मामले और 5.4 मिलियन मौतें** शामिल हैं।
 - इनमें से लगभग दो-तर्हिई मामले 65 वर्ष या उससे अधिक आयु के वयस्कों में थे।
- **मानव विकास सूचकांक (HDI) का प्रभाव:** रपिर्ट में अनुमान लगाया गया है कि वर्ष 2022 से 2050 तक बहुत उच्च HDI देशों में कैंसर के मामलों में 50.2% की वृद्धि होगी और नमिन HDI देशों में 138.6% की वृद्धि होगी।
 - **बहुत उच्च मानव विकास सूचकांक वाले देशों में कैंसर से होने वाली मृत्यु दर में 63.9%** तथा नमिन मानव विकास सूचकांक वाले देशों में 141.6% की वृद्धि होने की संभावना है।
- **उच्च मृत्यु दर-घटना अनुपात:** रपिर्ट में उच्च मृत्यु दर-घटना अनुपात पर प्रकाश डाला गया है, जिसमें **वृद्ध पुरुषों का अनुपात 61% है और नमिन HDI देशों में यह अनुपात 74% है।** अग्नाशय के कैंसर जैसे दुर्लभ कैंसर का अनुपात और भी अधिक 91% है, जो खराब उत्तरजीवित परिणामों को दर्शाता है।
 - **मृत्यु-से-घटना अनुपात (MIR)** एक माप है जो एक नरिदष्टि अवधि में कैंसर से होने वाली मौतों (मृत्यु दर) की संख्या की तुलना नए कैंसर मामलों (घटना) की संख्या से करता है।

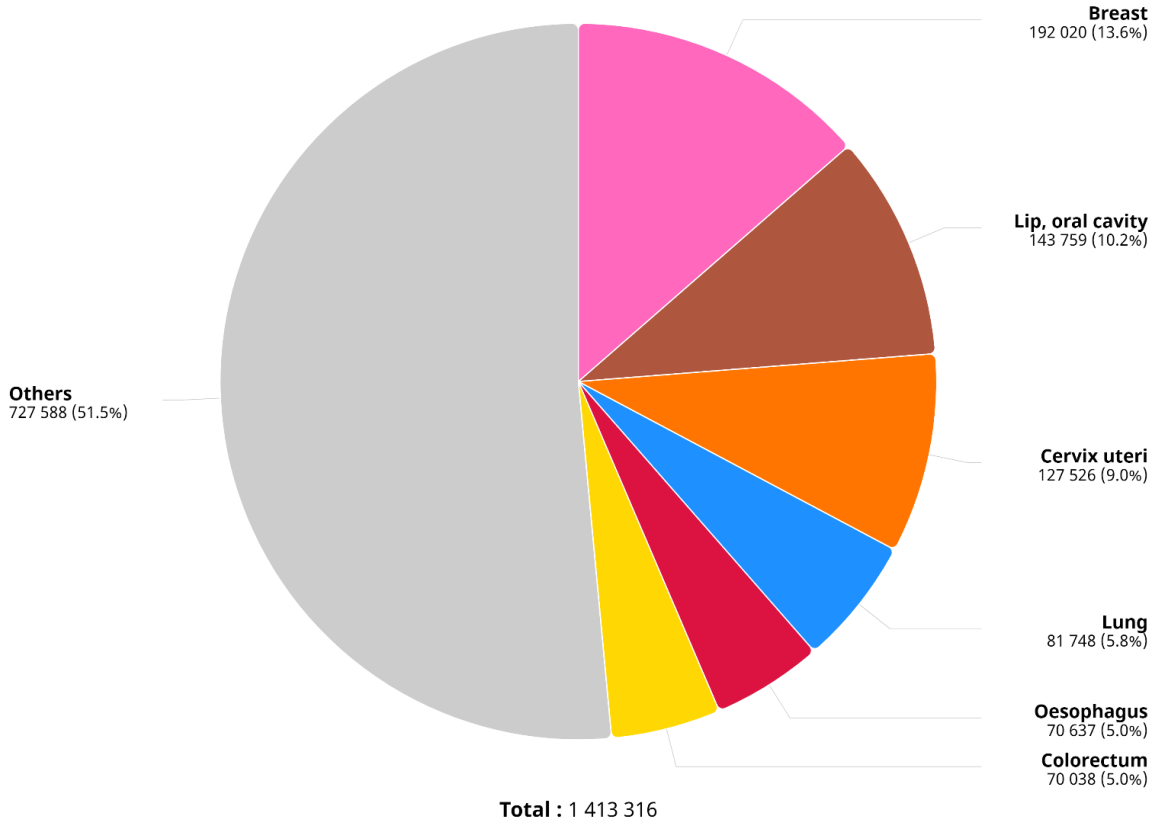
भारत में कैंसर की व्यापकता की स्थिति क्या है?

- भारत में **2022 में 1,413,316 नए मामले सामने आए**, जिनमें **महिला रोगियों (6,91,178 पुरुष और 7,22,138 महिलाएँ) का अनुपात अधिक था।**
- 1,92,020 नए मामलों के साथ **स्तन कैंसर** का अनुपात सबसे अधिक है, जो सभी रोगियों में **13.6 प्रतिशत और महिलाओं में 26 प्रतिशत** से

अधिक है।

- भारत में स्तन कैंसर के बाद हॉट और मुख गुहा (1,43,759 नए मामले, 10.2%), गर्भाशय ग्रीवा (Cervix) और गर्भाशय (Uterine), फेफड़े और ग्रासनली कैंसर के मामले सामने आए।
 - एशिया में कैंसर के बोझ का आकलन करने वाले विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) के एक हालिया अध्ययन, जिसे द लैंसेट रीजनल हेल्थ में प्रकाशित किया गया था, में पाया गया कि अकेले भारत में वर्ष 2019 में वैश्विक मृत्यु के 32.9% और हॉट और मौखिक गुहा कैंसर के 28.1% नए मामले सामने आए।
 - इसका कारण भारत, बांग्लादेश और नेपाल जैसे दक्षिण एशियाई देशों में खैनी, गुटखा, पान और पान मसाला जैसे धूम्ररहित तंबाकू (Smokeless Tobacco- SMT) का व्यापक उपभोग है।
 - विश्व भर में मौखिक कैंसर के 50% मामलों के लिये SMT ज़िम्मेदार है।
- लैंसेट ग्लोबल हेल्थ 2023 के अनुसार वैश्विक स्तर पर गर्भाशय ग्रीवा कैंसर के कारण होने वाली मौतों में से 23% भारत में होती हैं।
 - भारत में गर्भाशय-ग्रीवा कैंसर की पाँच वर्ष की उत्तरजीवित दर 51.7% है, जो संयुक्त राज्य अमेरिका जैसे उच्च आय वाले देशों की तुलना में कम है।

// Absolute numbers, Incidence, Both sexes, in 2022 India



कैंसर:

- यह एक जटिल और व्यापक शब्द है, जिसका उपयोग शरीर में असामान्य कोशिकाओं की अनियंत्रित वृद्धि तथा प्रसार से होने वाली बीमारियों के एक समूह का वर्णन करने के लिये किया जाता है।
 - ये असामान्य कोशिकाएँ, जिन्हें कैंसर कोशिकाएँ कहा जाता है, स्वस्थ ऊतकों और अंगों पर आक्रमण करने तथा उन्हें नष्ट करने में सक्षम होती हैं।
- एक स्वस्थ शरीर में कोशिकाएँ वनियमिति तरीके से विकसित होती हैं, वभिजति होती हैं और नष्ट हो जाती हैं, जिससे ऊतकों तथा अंगों के सामान्य संचालन की अनुमति मिलती है।
 - हालाँकि कैंसर के मामले में कुछ आनुवंशिक उत्परिवर्तन या असामान्यताएँ इस सामान्य कोशिका चक्र को बाधित करती हैं, जिससे कोशिकाएँ अनियंत्रित रूप से वभिजति और बढ़ती हैं।

Rising risks, late detection

1 out of 9 Indians is likely to develop cancer in their lifetime.

India alone accounted for 32.9% of global deaths due to lip and oral cavity cancer in 2019.

The incidence of cancer cases is estimated to increase by 12.8% in 2025.

India recorded approximately 12 lakh new cancer cases and 9.3 lakh deaths in 2019.

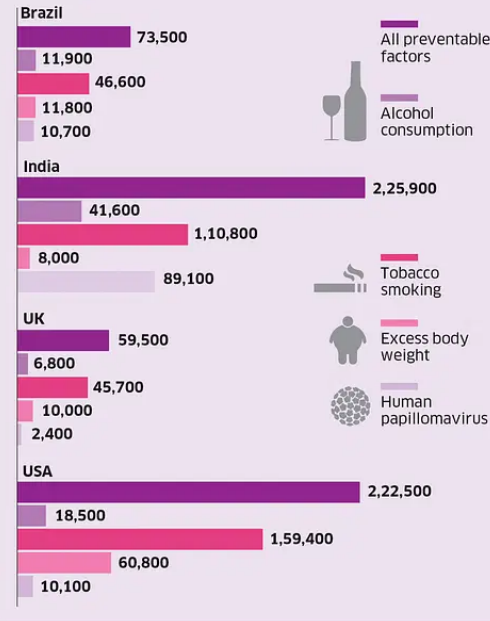
Lung cancer is most prominent among men, and breast cancer is most common among women.

In India, nearly more than 50,000 new childhood cancer cases occur every year.

Half of the estimated cancer burden is in the 40-64 age group in India.

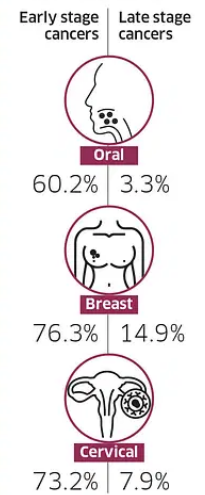
Since 1993, there has been a 79% increase in the incidence of cancer among people below 50 years.

In 2020, more than 2.2 lakh Indians died of cancer caused by preventable risk factors



Early detection is essential

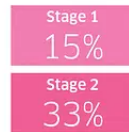
The five-year survival rate falls drastically in late stage cancers



India has a poor cancer detection rate of **29%**

Almost 75-80% of patients have advanced disease (stage 3 or 4) at the time of diagnosis.

85% of breast, lung and cervical cancers go undetected in stage 1



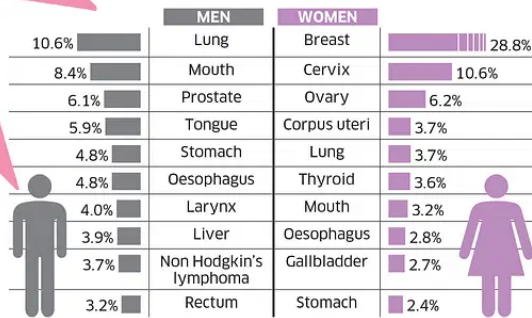
Major reasons

- Low level of awareness in the population and among community physicians
- Lack of screening programmes
- Lack of diagnostic facilities locally
- Lack of access to major tertiary cancer centres
- Financial constraints
- Stigma associated with diagnosis
- Language and cultural differences

Care inaccessible

Only 22% of districts in India have comprehensive cancer centres. While the WHO recommends 1 radiotherapy centre must be available per million people, India's has 0.4 per million.

Despite having a prevention rate of 93%, cervical cancer is the second-most common among women



Gender inequality



Out of the 30 lakh under-50 adults diagnosed with cancer in 2020, 2 out of 3 were women.

Globally, gender equality in cancer and diagnosis and treatment could save an estimated **8,00,000** women each year.

- In India, more than 63% of women's cancer deaths were preventable, according to a 2023 study.
- Timely detection and treatment could have saved at least **1 in 3 women**.
- The five-year survival rate of women patients who were diagnosed with breast cancer stands at **66% in India**, compared to 90% in the United States.

High costs

Cancer is one of the most financially demanding ailments. An average outpatient visit costs **Rs 2,869**.

A single hospitalisation can cost more than **Rs 23,000** in a rural public hospital.

Rural		Urban	
Public	Private	Public	Private
Rs 23,905	Rs 85,326	Rs 19,982	Rs 1,06,548

* cost per hospitalisation

Source: 'Quantitative estimates of preventable and treatable deaths from 36 cancers worldwide: a population-based study', The Lancet, 'Call for Action: Making quality cancer care more accessible and affordable in India', EY and FICCI, 'Women, power and cancer', The Lancet, 'Auditing costs of intensive care in cancer patients in India: A new area explored', 'Transforming India's Approach to Cancer Care', ORF, 'Cancer research in India: Challenges & opportunities', IJMR, news reports.

COMPILED BY SWEERUTHI K DH GRAPHIC: SAGAR M S

भारत में कैंसर नियंत्रण के लिये सरकार की क्या पहल है?

- [केंद्रीय बजट 2024-25](#) में सरकार ने कैंसर की तीन दवाइयों- [ट्रैसटुजुमैब डेरक्सटेकन](#), [ओसमिर्टनिबि](#) और [डुरवालुमैब](#) को सीमा शुल्क से छूट दी है।
- [अंतरिम बजट 2024-25](#) में [ग्रभाशय-ग्रीवा कैंसर की रोकथाम](#) के लिये 9-14 वर्ष की आयु की लड़कियों के टीकाकरण को प्रोत्साहित किया गया।
- [कैंसर, मधुमेह, हृदय रोग और स्ट्रोक की रोकथाम एवं नियंत्रण के लिये राष्ट्रीय कार्यक्रम \(NPCDCS\)](#)
- [राष्ट्रीय कैंसर ग्रिड](#)
- [राष्ट्रीय कैंसर जागरूकता दविस](#)
- [HPV वैकसीन](#)
- [आयुष्मान भारत- स्वास्थ्य और कल्याण केंद्र \(AB-HWC\)](#)

भारत में कैंसर का शीघ्र पता लगाने पर नीतिआयोग की रपिोर्ट की मुख्य तथ्य क्या हैं?

- **कैंसर जाँच में कमी:** नीतिआयोग की रपिोर्ट के अनुसार आयुष्मान भारत स्वास्थ्य एवं कल्याण केंद्रों (HWC) में **कैंसर जाँच में महत्त्वपूर्ण कमी** है।
 - इनमें से **10%** से भी कम केंद्रों द्वारा कैंसर सहित गैर-संक्रामक रोगों के लिये एक ही बार जाँच की गई थी।
- **स्क्रीनिंग प्रथाएँ:**
 - **स्तन कैंसर:** स्क्रीनिंग स्व-परीक्षण के माध्यम से की जाती है।
 - **ग्रीवा कैंसर:** स्क्रीनिंग पूरी तरह से लागू नहीं की गई है।
 - **ओरल कैंसर:** स्क्रीनिंग केस-दर-केस आधार पर की जाती है, जो दिखाई देने वाले लक्षणों पर निर्भर करती है।
- **बुनयादी अवसरंचना और संसाधन:** परचालन दशानरिदेशों के अनुसार स्वास्थ्य एवं कल्याण केंद्रों में बुनयादी अवसरंचना, उपकरणों, दवाओं और नैदानिक परीक्षणों का अभाव था।
- **स्टाफ प्रशिक्षण और जागरूकता:** स्क्रीनिंग वधियों पर **सहायक नर्स मडिवाइफ (ANM) का प्रशिक्षण एवं नगिरानी** अपर्याप्त है।
 - इसके अतरिकित स्वास्थ्य एवं कल्याण केंद्र के कर्मचारियों में **उच्च रक्तचाप और मधुमेह** की वार्षिक जाँच की आवश्यकता के बारे में **जागरूकता सीमति** थी।

दृष्टिमेन्स प्रश्न:

प्रश्न. कैंसर नियंत्रण रणनीतियों में प्रारंभिक पहचान और जाँच के महत्त्व पर चर्चा कीजिये और रोग के बढ़ते बोझ को संबोधित करने में भारत की वर्तमान कैंसर नियंत्रण नीतियों की प्रभावशीलता का मूल्यांकन कीजिये।

UPSC सविलि सेवा परीक्षा वगित वर्ष के प्रश्न (PYQ)

प्रश्न. भारत सरकार द्वारा चलाया गया 'मशिन इंदरधनुष' किससे संबंधित है? (2016)

- बच्चों और गर्भवती महिलाओं का परतरिक्षण
- पूरे देश में स्मार्ट सटिका नरिमाण
- बाहरी अंतरिक्ष में पृथ्वी-सदृश ग्रहों के लिए भारत की स्वयं की खोज
- नई शक्ति-नीति

उत्तर: (a)

प्रश्न. कैंसर के ट्यूमर के इलाज के संदर्भ में साइबरनाइफ नामक एक उपकरण चर्चा में बना हुआ है। इस संदर्भ में नमिनलखिति में से कौन-सा कथन सही नहीं है? (2010)

- यह एक रोबोटिक इमेज़ गाइडेड ससिटम है।
- यह वकिरिण की अत्यंत सटीक खुराक प्रदान करता है।
- इसमें सब-मिलीमीटर सटीकता प्राप्त करने की क्षमता है।
- यह शरीर में ट्यूमर के प्रसार को मैप कर सकता है।

उत्तर: (d)

प्रश्न. 'RNA अंतरक्षेप [RNA इंटरफेरेंस (RNAi)]' प्रौद्योगिकी ने पछिले कुछ वर्षों में लोकप्रियता हासिल कर ली है। क्यों? (2019)

- यह जीन अनभवियकृतकिरण (जीन साइलेंसिंग) रोगोपचारों के वकिस में प्रयुक्त होता है।
- इसे कैंसर की चकितिसा में रोगोपचार वकिसति करने हेतु प्रयुक्त किया जा सकता है।
- इसे हॉर्मोन परतसिथापन रोगोपचार वकिसति करने हेतु प्रयुक्त किया जा सकता है।
- इसे ऐसी फसल पादपों को उगाने के लिये प्रयुक्त किया जा सकता है, जो वषिणु रोगजनकों के लिये परतरीधी हो।

नीचे दिये गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिये।

- (a) 1, 2 और 4
- (b) 2 और 3
- (c) 1 और 3
- (d) केवल 1 और 4

उत्तर: (a)

??????:

प्रश्न 1. अनुप्रयुक्त जैव-प्रौद्योगिकी में शोध तथा विकास संबंधी उपलब्धियाँ क्या हैं? ये उपलब्धियाँ समाज के नरिधन वर्गों के उत्थान में कसि प्रकार सहायक होंगी? (2021)

प्रश्न 2. नैनो टेक्नोलॉजी से आप क्या समझते हैं? यह तकनीक स्वास्थ्य के क्षेत्र में कसि प्रकार सहायता कर रही है? (2020)

PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/rising-cancer-concerns>

